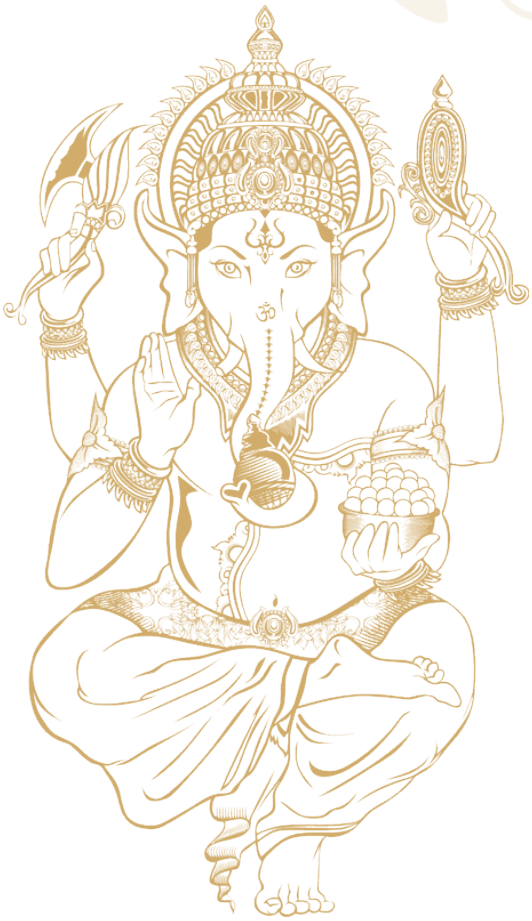

Ankita shri vastava

04 Oct 1995

08:35 AM

Datia

Model: Varshphal-2017

Order No: 119261101

तिथि 04/10/1995 **समय** 08:35:00 **वार** बुधवार **स्थान** Datia **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:48:00
अक्षांश 25:41:00 उत्तर **रेखांश** 78:28:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:16:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	09:08:14 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:11:04 घं	योनि	वानर
सूर्योदय	06:09:29 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	18:00:16 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2052	वश्य	जलचर
शक संवत	1917	वर्ग	मार्जार
मास	आश्विन	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	भूमि
तिथि	11	जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
नक्षत्र	श्रवण	पाया(रा.-न.)	लौह-ताम्र
योग	धृति	होरा	शनि
करण	वणिज	चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 8मा 19दि
गुरु
23/06/2023
23/06/2039

गुरु	10/08/2025
शनि	22/02/2028
बुध	30/05/2030
केतु	06/05/2031
शुक्र	04/01/2034
सूर्य	23/10/2034
चन्द्र	22/02/2036
मंगल	28/01/2037
राहु	23/06/2039

योगिनी
मंगला 0वर्ष 3मा 8दि
संकटा
11/01/2023
11/01/2031

संकटा	21/10/2024
मंगला	10/01/2025
पिंगला	22/06/2025
धान्या	20/02/2026
भ्रामरी	11/01/2027
भद्रिका	21/02/2028
उल्का	22/06/2029
सिद्धा	11/01/2031

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			18:05:08	तुला	स्वाति	4	राहु	सूर्य	---	0:00			
सूर्य			16:37:36	कन्या	हस्त	2	चंद्र	शनि	सम राशि	1.06	कलत्र	पितृ	जन्म
चंद्र			19:42:28	मक	श्रवण	3	चंद्र	केतु	सम राशि	1.26	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल			24:23:36	तुला	विशाखा	2	गुरु	बुध	सम राशि	1.11	भ्रातृ	भ्रातृ	क्षेम
बुध	व	अ	18:36:22	कन्या	हस्त	3	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण	1.34	पुत्र	ज्ञाति	जन्म
गुरु			17:08:56	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध	मित्र राशि	1.16	ज्ञाति	धन	साधक
शुक्र			28:29:23	कन्या	चित्रा	2	मंगल	शनि	नीच राशि	0.92	आत्मा	कलत्र	सम्पत
शनि	व		26:05:07	कुंभ	पू०भाद्रपद	2	गुरु	केतु	स्वराशि	1.29	अमात्य	आयु	क्षेम
राहु	व		02:47:17	तुला	चित्रा	3	मंगल	शुक्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	सम्पत
केतु	व		02:47:17	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	मित्र राशि		---	मोक्ष	वध

लग्न-चलित

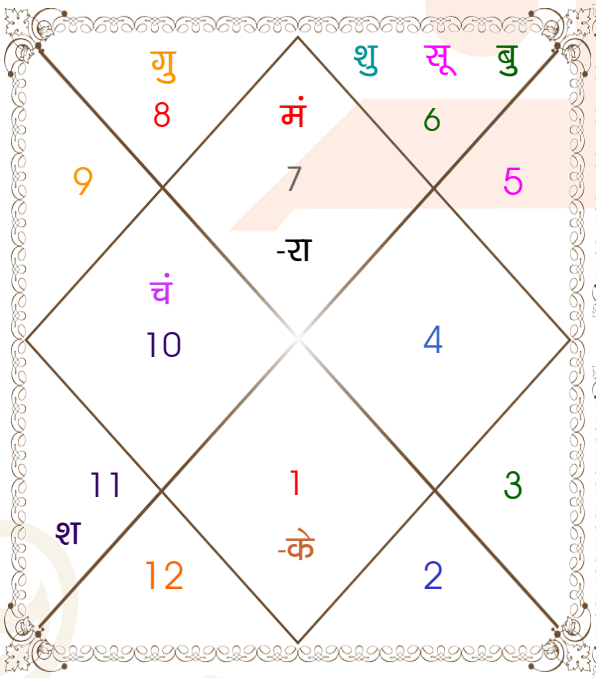

चन्द्र कुंडली

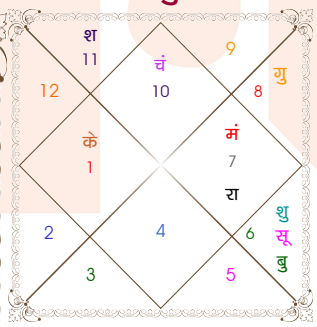

नवमांश कुंडली

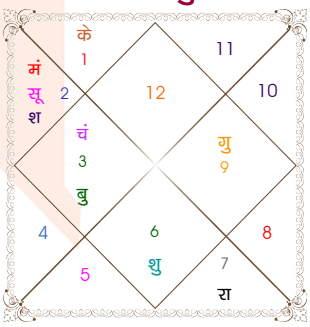

सर्वाष्टकवर्ग

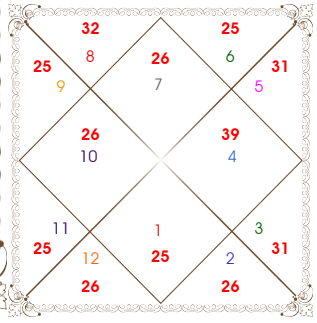

दशमांश कुंडली

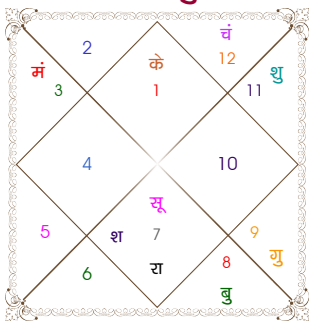

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी। साथ ही मानसिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा यदा कदा मन में आप व्याकुलता तथा असन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी। इस समय आपके रूके हुए कार्य एवं मानसिक संकल्प अल्प मात्रा में ही परिश्रम से पूर्ण होंगे। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्य भी संघर्ष पूर्वक ही सफल हो सकेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम ही रहेगी तथा यदा कदा परिवार में तनाव एवं मतभेद का वातावरण रहेगा। पति से भी आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा फलतः सामान्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। इस वर्ष यात्राओं से आपको कोई विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें व्यय ही अधिक रहेगा फलतः लम्बी दूरी की यात्राओं की इस समय उपेक्षा करनी चाहिए। शत्रु वर्ग से भी इस समय आपके लिए समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा मित्रों एवं बन्धुवर्ग से भी इच्छित सहयोग एवं लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा परिश्रम के उपरांत भी आपको सफलता अल्प ही प्राप्त होगी। साथ ही नौकरी या राजनीति में पदोन्नति में बाधाएं तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी भी प्रबल रहेंगे। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध सामान्य रहेंगे एवं उनसे विशेष सहयोग अल्प ही प्राप्त होगा। समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव रहेगा। अतः परिश्रम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्यशाली रहेगा। इस समय आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा एवं अपने समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। अपने बन्धु एवं मित्रों के प्रति इस समय आपके मन में पूर्ण सद्भावना तथा स्नेह का भाव रहेगा तथा यत्नपूर्वक आप उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी तथा वे भी आपको अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे।इस समय सत्कार्यो को करने के लिए आपकी रूचि रहेगी तथा इन्हें करने के लिए आप यत्नशील रहेंगी। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा समयानुकूल देवताओं एवं ब्राहमणों की आप सेवा करेंगी। इस वर्ष आपको किसी नवीन स्थान की प्राप्ति होगी या आवास संबधी परिवर्तन होगा। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में भी आप इस वर्ष वांछित उन्नति करेंगी। नौकरी या राजनीति में आपको इस समय किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में भी आप पूर्ण लाभ अर्जित करेंगी तथा इस वर्ष में किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी आशाएं तथा संकल्प पूर्ण होंगे तथा सर्वत्र प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि होंगी तथा अपने क्षेत्र में वे इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे। अतः आपके लिए यह वर्ष शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा कष्ट की भी अनुभूति होगी परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा।साथ ही मानसिक स्थिति सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा शान्ति एवं प्रसन्नता से आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा इसमें आप न्यूनाधिक सफलता भी अर्जित करती रहेंगी। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा तथा आपके लिए अनावश्यक परेशानी उत्पन्न करेगा परन्तु आप उनका दृढ़ता पूर्वक सामना करेंगी एवं उनको पराजित करने में सफल रहेंगी। इस समय सामाजिक प्रतिष्ठा भी सामान्य रहेगी तथा अन्य लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करते रहेंगे परन्तु मिथ्यावाद से आपको कोई परेशानी हो सकती है। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय मध्यम ही रहेगी परन्तु आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा।मित्र एवं संबधियों से आपके संबध मधुर रहेंगे परन्तु उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

व्यापारिक एवं कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा काफी परेशानी एवं परिश्रम से आपको वांछित सफलता प्राप्त हो सकेगी।नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपकी उन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें अनावश्यक बाधाएं तथा विलम्ब हो सकता है। साथ ही व्यापार आदि में लाभ तथा उन्नति मध्यम ही रहेगी।इस वर्ष में आपको वाहन संबधी सुख भी प्राप्त हो सकता है साथ ही नवीन स्थान की प्राप्ति या आवास संबधी कोई योजना प्रारंभ होगी। अतः समय का सदुपयोग करें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

प्रथम मास

04/10/2025 00:57:48 से 03/11/2025 06:02:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	06:46:36
सूर्य		कन्या	हस्त	16:37:35
चन्द्र		कुम्भ	धनिष्ठा	01:59:14
मंगल		तुला	स्वाति	13:33:53
बुध		तुला	चित्रा	01:22:31
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:34:45
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:18:59
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:19:46
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:01:08
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:01:08
मुंथा		मेष	भरणी	18:05:08

मासाधिपति

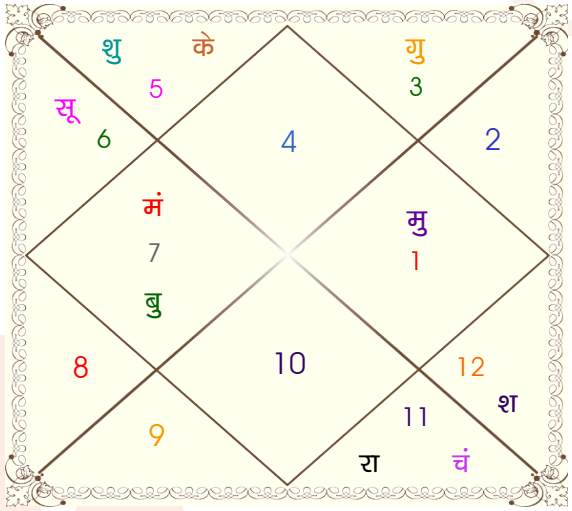

मासाधिपति : मंगल

इस मास आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूपेण सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेगा। मित्र एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगी एवं यत्न पूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा इनका सम्मान एवं पूजन विधिपूर्वक सम्पन्न करेंगी। सामाजिक जनों से भी आप प्रतिष्ठा एवं अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप विविध आय स्त्रोतों से धनार्जन करेंगी तथा नवीन स्थान या आवास की भी प्राप्ति कर सकेंगी। साथ ही पिछले महीने की असफल आशाएं भी आपकी पूर्ण होगी। अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

लेकिन शुभ फलों के साथ साथ इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी होते रहेंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास

03/11/2025 06:02:20 से 03/12/2025 00:17:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	10:41:11
सूर्य		तुला	स्वाति	16:37:35
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	11:08:31
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	04:41:38
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	09:51:04
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:48:35
शुक्र		तुला	चित्रा	00:52:28
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:29:19
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:48:23
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:48:23
मुंथा		मेष	भरणी	20:35:08

मासाधिपति

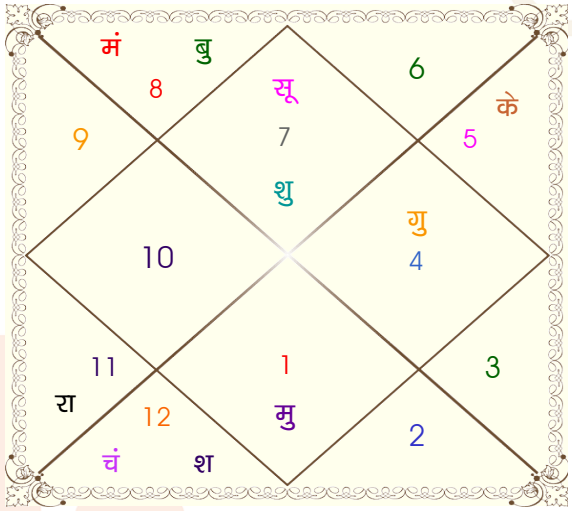

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कठिनाइयों की अनुभूति करेंगी। बन्धु वर्ग से इस समय आपके सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे एवं इनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे उनकी ओर से आप चिन्तित एवं भयातुर रहेंगी। आपके उत्साह में भी इस मास न्यूनता परिलक्षित होगी तथा व्यय भी आवश्यकता से अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से परेशानी प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा लालची प्रवृति की प्रधानता रहेगी। स्वबन्धुवर्ग एवं मित्रों से आपके तनावपूर्ण संबंध रहेंगे जिससे मित्र गण भी शत्रु के समान व्यवहार करेंगे अतः आप स्वयं को मानसिक रूप से अस्वस्थ महसूस करेंगी। इसके अतिरिक्त समाजिक जनों से भी विवाद या संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होगी। अतः सावधानीपूर्वक समय के अशुभ प्रभाव को मध्य नजर रखते हुए अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी तथा पित्तजनित दोषों से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगी एवं रक्त सम्बन्धी विकार से भी कष्टानुभूति करेंगी। इसके अतिरिक्त शारीरिक सुरक्षा का ध्यान रखें तथा दुर्घटना से भी बचें। इस समय अग्नि से भी किसी प्रकार की हानि हो सकती है। इस प्रकार यह मास आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक रहेगा।

तृतीय मास
03/12/2025 00:17:19 से 01/01/2026 12:05:01 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:43:35
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	16:37:35
चन्द्र		मेष	भरणी	15:28:56
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:23:53
बुध		तुला	विशाखा	27:15:23
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:11:49
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	08:13:10
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:57:24
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:53:24
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:53:24
मुंथा		मेष	भरणी	23:05:08

मासाधिपति

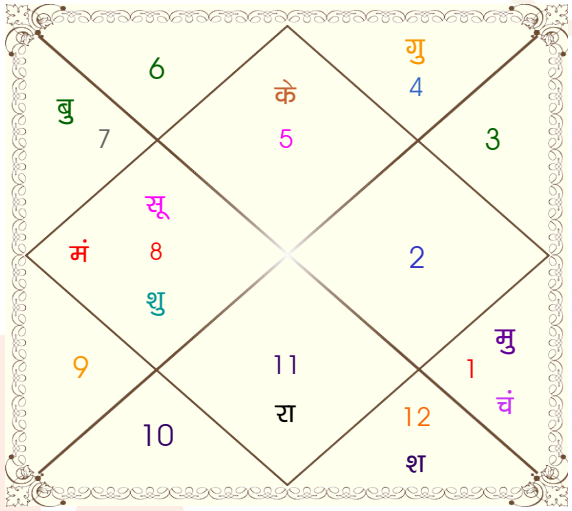

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अत्यंत ही प्रसन्नता प्रदान करने वाला तथा भाग्यशाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी एवं अपने उच्चाधिकारियों को पूर्ण रूपेण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफल रहेंगी। जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सन्तति प क्ष से इस मास आप पूर्ण सुख एवं सहयोग को प्राप्त करेंगी तथा घर में किसी प्रकार के धार्मिक उत्सव का भी आप आयोजन करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं इनकी आप हार्दिक पूजा तथा आदर करेंगी। इस मास में आप अपने सत्कार्यों से समाज में दूर दूर तक कीर्ति अर्जित करेंगी। साथ ही आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी इस समय उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त आप घर से दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगी। अपने उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सहयोग एवं सम्मान प्राप्त होगा तथा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर एवं घनिष्ठ सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप इस समय सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के मध्य आपको समय समय पर अशुभ फल की भी प्राप्ति होगी।अतः आपका स्वास्थ्य वात जन्य रोगों से अस्वस्थ रहेगा तथा इससे आप कष्ट प्राप्त करेंगी ।अतः सावधानी से अपन कार्य कलापों को सम्पन्न करें। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आपको हानि की सम्भावना हो सकती है।

चतुर्थ मास
01/01/2026 12:05:01 से 30/01/2026 23:20:57 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	16:58:05
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:37:35
चन्द्र		वृष	रोहिणी	16:36:49
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:40:36
बुध		धनु	मूल	04:50:56
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:06:00
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:19:48
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:57:42
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:41:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:41:30
मुंथा		मेष	भरणी	25:35:08

मासाधिपति

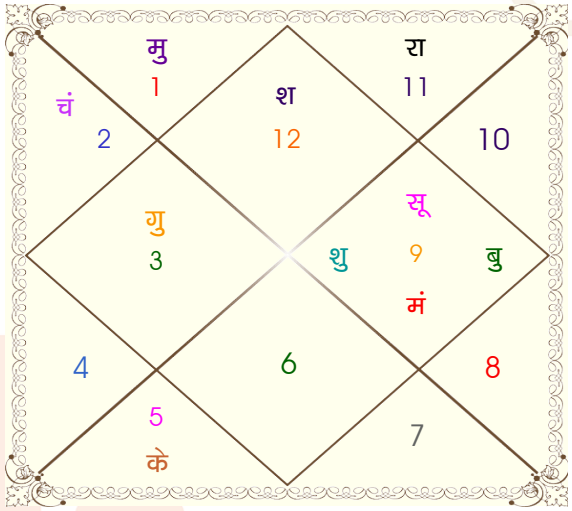

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में समर्थ सिद्ध होंगी। साथ ही समाजिक यश को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगी। बन्धुओं तथा मित्रों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे परस्पर पूर्ण सुख एव सहयोग का आदान प्रदान करने में सफल रहेंगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप उचित आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाएंगी। इस महीने आप अधिक मात्रा में मिष्ठानादि का भी भक्षण कर सकती हैं। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से आप शान्त एवं प्रसन्न रहेंगी आप इस समय शत्रुओं का दमन करने में सफल रहेंगी तथा वे आपसे अत्यंत ही भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि अन्य कार्यों से भी आप उचित लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारी वर्ग से वांछित सहयोग एवं सहायता भी अर्जित करेंगी जिससे आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति या विस्तार हो सकता है। इस समय आप नवीन वस्तुओं या वस्त्रों की प्राप्ति भी कर सकेंगी। अतः यह मास आपके लए शुभफलदायक सिद्ध होगा।

पंचम् मास
30/01/2026 23:20:57 से 01/03/2026 16:08:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	29:16:49
सूर्य		मकर	श्रवण	16:37:35
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	17:30:43
मंगल		मकर	श्रवण	11:31:18
बुध		मकर	श्रवण	23:02:08
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:16:44
शुक्र		मकर	श्रवण	22:22:40
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:17:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:58:53
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:58:53
मुंथा		मेष	कृतिका	28:05:08

मासाधिपति

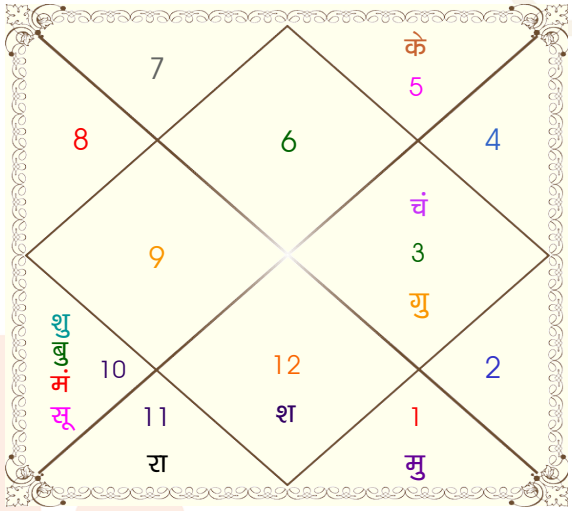

मासाधिपति : मंगल

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी तथा मध्यम रूप से आपका यह समय व्यतीत होगा। इस समय आपके शत्रु बलवान रहेंगे अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही घर में चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। साथ ही शारीरिक रूप से आप अस्वस्थ एवं परेशान रहेंगी जिससे शारीरिक बल में न्यूनता आएगी। इस प्रकार आप कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगी इस मास में आपकी दूर या समीप की यात्रा भी हो सकती है तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य विध्न बाधाओं के कारण पूर्ण रूप से सफल नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमता से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगी तथा इस समय पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगी ।नवीन वस्त्र या आभूषण आदि की भी प्राप्ति हो सकेगी जिससे आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

षष्ठ मास

01/03/2026 16:08:19 से 31/03/2026 19:11:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	18:59:05
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	16:37:35
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	21:01:17
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	04:52:07
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:32:41
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:01:00
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:32:34
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:33:09
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:26
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:26
मुंथा		वृष	कृतिका	00:35:08

मासाधिपति

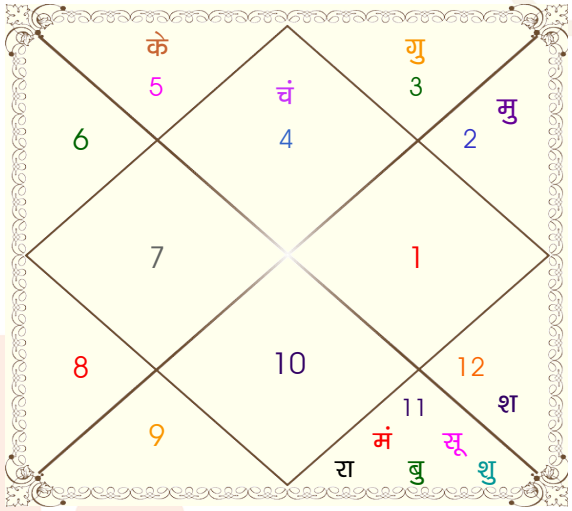

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी।साथ ही पुरुष वर्ग से लाभार्जन तथा सहयोग अर्जित करने में भाग्यशाली रहेंगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे तथा आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुदृढ़ता आएगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता तथा शान्ति की अनुभूति करेंगी। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से समय समय पर आपको यथोचित लाभ होता रहेगा। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्र एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ भी होता रहेगा। आपको इच्छित द्रव्यों की प्राप्ति भी इस समय होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपके रूके हुए कार्य भी इस मास में पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख का आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेगी तथा समाज में उचित सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

सप्तम् मास
31/03/2026 19:11:06 से 01/05/2026 10:39:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	26:09:50
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	16:37:35
चन्द्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:43:58
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:33:23
बुध		कुम्भ	शतभिषा	19:06:50
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:31:40
शुक्र		मेष	अश्विनी	06:53:13
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:16:08
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:33:20
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:33:20
मुंथा		वृष	कृतिका	03:05:08

मासाधिपति

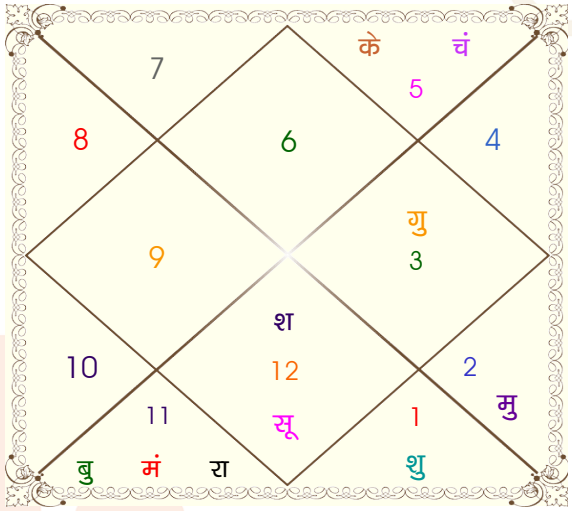

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप किसी सम्मानित पद को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा सरकार या अधिकारी वर्ग से भी लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। साथ ही पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस मास में समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश भाग्योदय सम्बन्धी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा दूर समीप की लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी। इस प्रकार इस समय आपकी सर्वत्र यश तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी एवं उनमें लाभ अर्जित करके सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी असीम श्रद्धा रहेगी। इस प्रकार इस महीने को आप अत्यंत ही सुख एवं आनंदपूर्वक व्यतीत करेंगी।

अष्टम् मास
01/05/2026 10:39:18 से 01/06/2026 13:24:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	29:39:35
सूर्य		मेष	भरणी	16:37:35
चन्द्र		तुला	स्वाति	10:55:42
मंगल		मीन	रेवती	22:18:42
बुध		मेष	अश्विनी	02:08:53
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:43:05
शुक्र		वृष	रोहिणी	14:19:20
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:56:39
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	12:44:41
केतु	व	सिंह	मघा	12:44:41
मुंथा		वृष	कृतिका	05:35:08

मासाधिपति

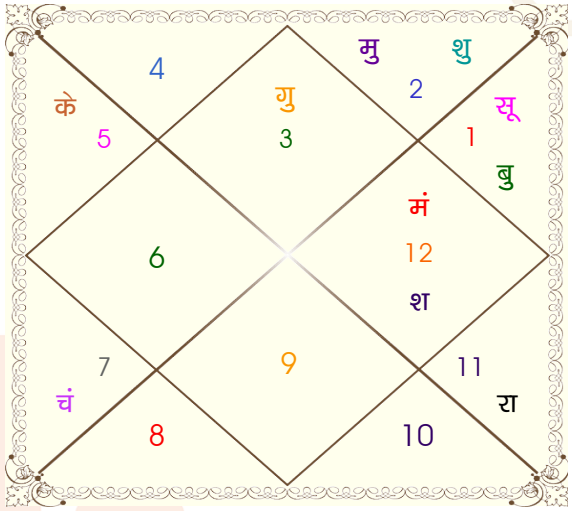

मासाधिपति : मंगल

इस महीने में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका व्यय अधिक होगा तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपका मेल जोल रहेगा जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगी ।साथ ही धनाभाव की समस्या भी उत्पन्न होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आप बैचेन तथा अशान्त रहेंगी। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यधिक परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि के योग बन सकते है। इस मास में आपके मित्र तथा बन्धुवर्ग से अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। फलतः कष्ट पूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगी।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी।

नवम् मास
01/06/2026 13:24:37 से 02/07/2026 23:07:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:00:48
सूर्य		वृष	रोहिणी	16:37:35
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:09:59
मंगल		मेष	भरणी	15:46:34
बुध		मिथुन	मृगशिरा	05:29:16
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:54:07
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:33:24
शनि		मीन	रेवती	18:02:40
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	09:18:12
केतु	व	सिंह	मघा	09:18:12
मुंथा		वृष	कृतिका	08:05:08

मासाधिपति

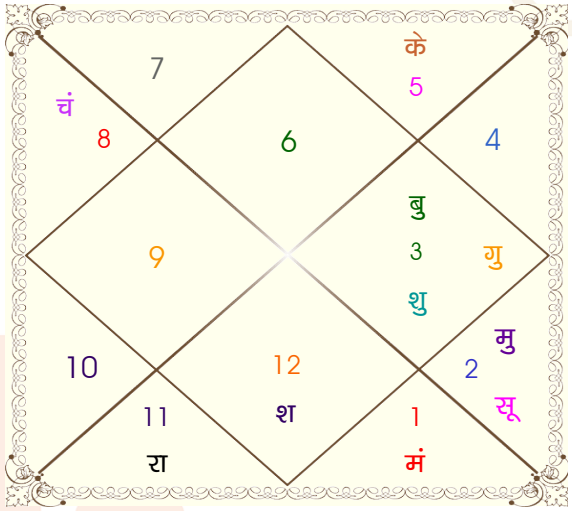

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप सुख एवं सौभाग्य को प्राप्त करने में पूर्ण रूप से सफल रहेंगी। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। आपके उच्चाधिकारी भी इस मास में आपसे पूर्ण सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इस समय आपके घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी हो सकता है। संतति पक्ष से इस मास में आपको सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगी। इस मास में आपका यश भी समाज में दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे वांछित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा सम्मान में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों एवं उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगी तथा आपके कार्य क्षेत्र में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों की प्राप्ति करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

दशम् मास
02/07/2026 23:07:09 से 03/08/2026 09:23:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:52:41
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	16:37:35
चन्द्र		मकर	श्रवण	16:54:05
मंगल		वृष	कृतिका	08:33:39
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	01:41:07
गुरु		कर्क	पुष्य	06:18:15
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	27:55:36
शनि		मीन	रेवती	20:01:46
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:29:56
केतु	व	सिंह	मघा	06:29:56
मुंथा		वृष	रोहिणी	10:35:08

मासाधिपति

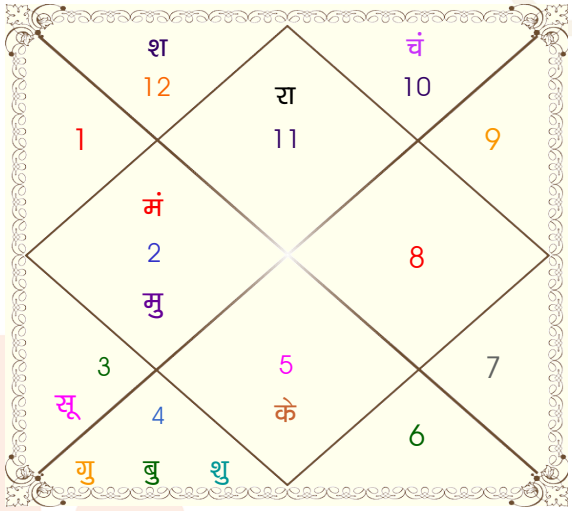

मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी।साथ ही आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप चिन्तित तथा भयत्रस्त रहेंगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेंगी अतः सतर्क रहना चाहिए। इस मास में आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में मन्दी रहेगी तथा अनावश्यक रूप से विघ्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इसके साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों के साथ आपका परस्पर विवाद एवं संघर्ष भी होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

इसके साथ ही इस मास में आप गर्मी से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः सावधानी एवं बुद्धिमतापूर्वक इस मास में अपना समय व्यतीत करें तथा शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें।

एकादश मास

03/08/2026 09:23:32 से 03/09/2026 13:40:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	04:30:28
सूर्य		कर्क	पुष्य	16:37:35
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	09:44:17
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	00:17:45
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	27:15:10
गुरु		कर्क	पुष्य	13:12:33
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:03:43
शनि	व	मीन	रेवती	20:28:23
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:37:46
केतु		सिंह	मघा	05:37:46
मुंथा		वृष	रोहिणी	13:05:08

मासाधिपति

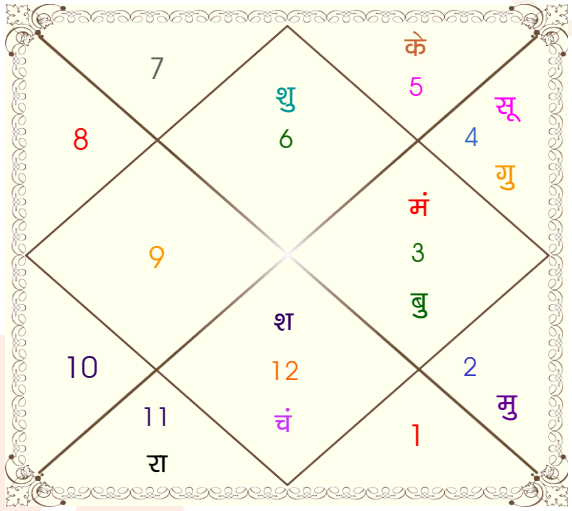

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य में वृद्धि करने वाला होगा। इस समय आप पर्याप्त मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक दृष्टि से पूर्ण सम्पन्न रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। फलतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इस मास में आपके घर में किसी धार्मिक उत्सव के आयोजन की भी संभावना रहेगी। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके हृदय में अनन्य श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही आपकी लाभदायक यात्रा के भी योग बनेंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से आप इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगी। इस प्रकार से समाज में सभी लोगों से आप हार्दिक सम्मान प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखों को अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में रूचि शील रहते हुए समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास
03/09/2026 13:40:31 से 04/10/2026 07:12:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:07:11
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:37:35
चन्द्र		वृष	कृतिका	03:39:12
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	20:38:32
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:49:26
गुरु		कर्क	आश्लेषा	19:57:27
शुक्र		तुला	चित्रा	00:46:18
शनि	व	मीन	रेवती	19:18:49
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:32:01
केतु	व	सिंह	मघा	05:32:01
मुंथा		वृष	रोहिणी	15:35:08

मासाधिपति

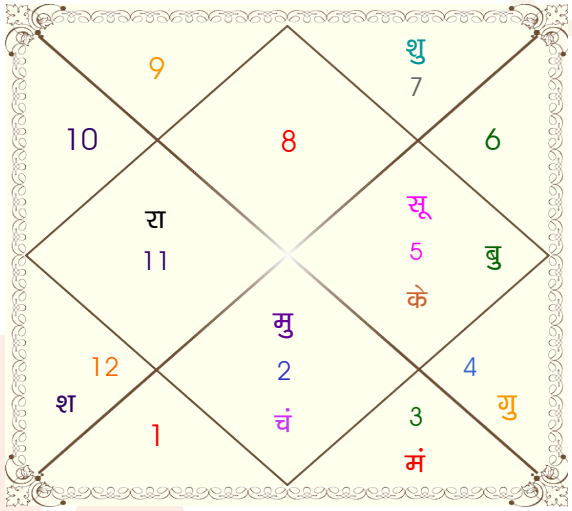

मासाधिपति : सूर्य

इस मास में आपको काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस समय आप पति तथा बन्धु वर्ग से सामान्य सहयोग ही अर्जित कर सकेंगी। साथ ही शत्रु पक्ष भी आपके लिए व्यर्थ की समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप इनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर से आप दुर्बल रहेंगी। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे धनाभाव के कारण आपको कष्टानुभूति होगी। इस मास में आपका उत्साह भी अल्प रहेगा तथा मन में लोभ की प्रवृति में वृद्धि होगी। मित्र तथा बन्धुओं से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा इनसे आपका मन मुटाव रहेगा। साथ ही मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के सदृश व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त परिवार तथा समाज में अन्य लोगों से आपका विवाद तथा वैमनस्य भी चलता रहेगा। अतः संयम एवं बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग पाएंगी तथा अपने बुद्धिचातुर्य से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य में सफलता प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धन तथा सुख अर्जित करने में न्यूनाधिक रूप से आप सफल रहेंगी तथा अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि प्राप्त करेंगी।